

दैनिक पाठ योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उप-विषय	अवधि
.....	7	हिन्दी	पापा खो गए	40 मिनट

अनुभव आधारित अधिगम

अधिगम के सामान्य उद्देश्य :

- (1) विद्यार्थियों को सहजता से अधिगम ग्रहण करवाना।
- (2) अधिगम को रुचिपूर्ण बनाना।
- (3) विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना।
- (4) पाठ्यक्रम के विषय बिन्दुओं को वास्तविक जीवन से जोड़ना।
- (5) विद्यार्थियों में उप-विषय के प्रति जिज्ञासा जगाना व उसका समाधान भी करना।

अधिगम के विशिष्ट उद्देश्य

- (1) विद्यार्थियों की काल्पनिक सोच को बढ़ाना ।
- (2) काल्पनिक सोच के माध्यम से सृजन कौशल को बढ़ाना ।
- (3) अभिनय कला का विकास करना।
- (4) विषय को अभिनय के माध्यम से सहजता से समझाना ।
- (5) विद्यार्थियों में विचार प्रकट करने की क्षमता विकसित करना।
- (6) अपहरण जैसी घटनाओं के प्रति विद्यार्थियों में सचेत रहने की भावना जागृत करना।
- (7) प्रकृति से जोड़ते हुए अपसी सामजस्य व तालमेल की भावना जगाना।

सहायक सामग्री

- (1) इस लघु नाटिका की 7-8 प्रतियाँ जो छात्रों को अपने-अपने संवाद बोलने हेतु दी जाएँगी।
- (2) चाक व झाड़न, जिनकी सहायता से विद्यार्थियों द्वारा दिए उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा।



पूर्व ज्ञान के प्रश्न

(1) आप सभी में से किस-किस को खेलना पसंद है?

(अपेक्षित उत्तर: सभी हाथ खड़े करेंगे, सभी को)

(2) बच्चो, क्या आपको सुनसान जगह में अकेले खेलना चाहिए?

(अपेक्षित उत्तर: नहीं।)

(3) सुनसान जगह में अकेले खेलने के क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं?

(अपेक्षित उत्तर: गिर सकते हैं व किसी की सहायता नहीं मिलेगी, कोई हमें नुकसान पहुँचा सकता है.....आदि ।)



विषयोद्घाटन

बहुत खूब, आज हम सभी मिलकर, लघु नाटक के माध्यम से ऐसी ही एक घटना के बारे में जानेंगे जिसमें अकेली खेल रही बच्ची के साथ भी कुछ ऐसी बुरी घटना घटती है।

पात्र :

सात विद्यार्थियों को, जिनमें से अनिवार्य रूप से एक लड़की हो, कक्षा के समक्ष बुलाना व उन्हें उनकी रुचि अनुसार नाटक के विभिन्न पात्र बनाना।

पात्र 1. बिजली का खम्बा।

पात्र 2. पेड़।

पात्र 3. लैटरबाक्स।

पात्र 4. कौआ।

पात्र 5. नाचनेवाली।

पात्र 6. एक लड़की।

पात्र 7. आदमी (अपहरणकर्ता)



पहला दृश्य

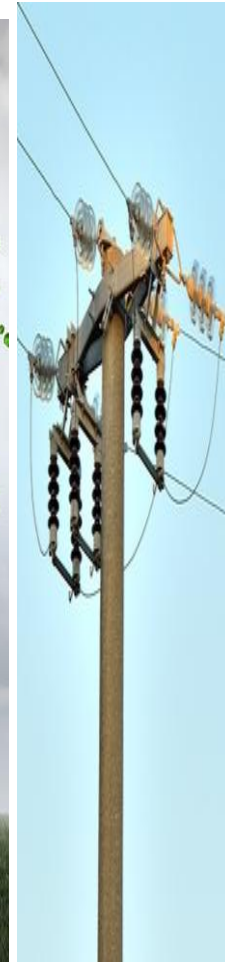
(कक्षा के समक्ष बिजली का खम्बा, पेड़ लैटरबाक्स, कौआ, नाचनेवाली, एक लड़की, आदमी)

कौआ : काँव-काँव, कितनी ठंडी रात है? (कौए से दो-चार और बातें उसकी ओर से बुलवाना चाहिए)

पेड़ : सो तो है, पर तुम तो उड़ कर कहीं और भी जा सकते हो। हमारे साथ यहाँ क्यों ठिठुर रहे हो?

खम्बा : हाँ-हाँ, कहीं और क्यों नहीं चले जाते। हमारी तो मज़बूरी है यहीं रहने की। (दो-चार और बातें उसकी ओर से बुलवाना चाहिए)

लैटरबाक्स : मैं पढ़ा लिखा हूँ, सबके पत्र पढ़कर मुझमें समझ है। अरे उधर देखो, कोई किसी को उठाकर ला रहा है।



दूसरा दृश्य

(लड़की को (जो नींद में है) कंधे पर उठाए आदमी का प्रवेश।)

आदमी: इसे यहीं लेटाता हूँ, बड़ी भूख लगी है, कुछ खाने का प्रबन्ध करता हूँ।(वह चला जाता है)

कौआ : अरे देखो, ये दुष्ट किसी बच्ची को उठा कर ले आया है।

खम्बा: हाँ, और बच्ची घायल भी लग रही है।

लैटरबाक्स : चलो, चलो, इसकी मदद करते हैं।

पेड़ : हाँ हाँ, मदद करते हैं। रुको, मैं अपनी टहनियों को हिलाकर हवा करता हूँ, वह जग जाएगी।



(पेड़ टहनियों को हिलाकर हवा करता है)

लड़की : मैं कहाँ हूँ?

पेड़ : तुम कौन हो? तुम्हारा नाम क्या है?

लड़की : मुझे पता नहीं मैं कौन हूँ, मुझे अपना नाम भी याद नहीं आ रहा।

खम्बा : तुम कहाँ की रहने वाली हो ?

लड़की : मुझे कुछ भी याद नहीं आ रहा।

लैटरबाक्स : अपने पिता का नाम बताओ।

लड़की : कुछ याद नहीं आ रहा।

इसके पश्चात इन बच्चों के लिए तालियाँ
बजवाकर इन्हें बिठा दिया जाएगा।



पुनरावृत्ति प्रश्न :

- (1) लड़की को क्या-क्या पता नहीं था?
- (2) नाटक में अपने आप को समझदार कौन बोलता है और क्यों?
- (3) लड़की को होश में लाने के लिए किसने और क्या उपाय बताया?
- (4) कौए ने क्या संदेश दिया?

गृहकार्य

लड़की को उसके घर पहुँचाने के लिए सभी पात्र उससे तरह-तरह के प्रश्न पूछते हैं लेकिन लड़की किसी भी प्रकार से अपने घर का, अपने पिता का या कोई और पता बताने में असमर्थ रहीं।

अनुमान लगाकर नाटक के संवादों को आगे बढ़ाइए और नाटक के रूप में लिख कर लाइए कि इन सभी पात्रों ने किस प्रकार उसे उसके घर पहुँचाया होगा?

